

वश्व चगास रोग दविस

प्रतविरुष 14 अप्रैल को [वश्व सवास्थ्य संगठन](#) (WHO) द्वारा **वश्व चगास रोग दविस** मनाया जाता है ताकलाखों लोगों को प्रभावति करने वाली इस अल्पज्ञात बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके, खासकर लैटिन अमेरिका में।

- 72वीं वश्व सवास्थ्य सभा ने वर्ष 2019 में **चगास रोग दविस** को मंजूरी दी थी।
- इस वर्ष की थीम है **"चगास रोग को प्राथमिक सवास्थ्य देखभाल में एकीकृत करने का सही समय"** (Time to integrate Chagas disease into primary health care)।

चगास रोग:

परचिय:

- चगास रोग, जिसे **"साइलेंट एवं साइलेंसड (Silent And Silenced)"** के रूप में भी जाना जाता है, WHO के अनुसार, यह एक संचारी परजीवी रोग है जिससे वश्व भर में सालाना 6-7 मिलियन लोग संक्रमति होते हैं और लगभग 12,000 लोगों की मौत हो जाती है।
 - इस बीमारी का नाम चकितिसक कार्लोस चगास के नाम पर रखा गया है जिन्होंने पहली बार वर्ष 1909 में ब्राज़ील के एक बच्चे में इसका पता लगाया था।

कारण:

- यह प्रोटोजोआ वर्ग के **ट्रायपानोसोमा क्रुज़ी (Trypanosoma Cruzi)** के कारण होता है, जो 'ट्रायटोमिनाई' या 'कसिगि बग्स' परिवार द्वारा प्रेषति होता है जो काटने या शौच के माध्यम से स्वस्थ व्यक्तियों को संक्रमति करता है।
- यह **जनमजात संचरण, रक्त आधान, अंग प्रत्यारोपण, संक्रमति कीट के मल से दूषति भोजन के सेवन** या आकस्मिक प्रयोगशाला जोखमि के माध्यम से भी फैल सकता है।
 - यह संक्रमति मनुष्यों या जानवरों के आकस्मिक संपर्क से नहीं फैलता है।

लक्षण:

- यह रोग **बुखार, सरिदरद, चकत्ते, सूजन संबंधी गाँठ, मतली या दस्त** और मांसपेशियों या पेट में दर्द के रूप में प्रकट होता है।
 - 70-80% रोगियों में जीवन भर कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं, जिससे शुरुआती पहचान चुनौतीपूर्ण हो जाती है।
- 20-30% रोगियों में संक्रमण जीर्ण अवस्था में वकिसति होते हैं, जिससे **हृदय, पाचन तंत्र या तंत्रिका तंत्र को नुकसान** होता है।

प्रसार:

- पैन-अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन** के अनुसार, चगास वर्तमान में अमेरिका के 21 देशों में स्थानिक है, जहाँ औसतन 30,000 नए मामले वार्षिक रूप से देखे जाते हैं।
 - दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ-साथ कई यूरोपीय, पूर्वी **भूमध्य सागरीय** और **पश्चिमी प्रशांत देशों** में दुरलभ मामलों की सूचना मिली है।

उपचार और रोकथाम:

- चगास रोग के लिये वर्तमान में कोई **टीका** उपलब्ध नहीं है, लेकिन **एंटीपैरासिटिक दवाओं बेंज़नडाज़ोल और नफिर्टिमीक्स** से रोग का **इलाज** कयि जा सकता है। रोग को तीव्र चरण की शुरुआत में ही प्रशासति कयि जाने पर **उनकी प्रभावकारिता दर 100%** होती है।
- देशों द्वारा कीट को खत्म करने या संक्रमण को कम करने हेतु नविवारक उपाय कयि गए हैं।
 - सभी लैटिन अमेरिकी देशों और नए मामलों की रिपोर्ट करने वाले अन्य देशों द्वारा **रक्त दाताओं एवं रक्त उत्पादों की सार्वभौमिक जाँच की जानी चाहयि**।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)